ESR UTTAR PRADESH

ECONOMICS AND STATISTICS REVIEW UTTAR PRADESH

(Quarterly Newsletter)

Volume-V I April-June 2014 No·1

In This Issue:

- **Highlights of Activities**
- **Training/Seminars**
- **Personnel**
- **Highlights of Report**
- **Current Statistics**
- **Latest Publications**

EDITORIAL BOARD

PATRON

Principal Secretary,

Planning,

Govt. of UP

CHIEF EDITOR

Director,

DES,UP.

Members

U.R.Bhave,Joint Director

Dr. Divya Sarin Mehrotra,Dy Director

Alka Dhoundiyal , Dy Director

Dr Sudhir Kumar Nigam,Eco.& Stat.Officer

निदेशक का संदेश

निदेशक के रुप में अर्थ एवं संख्या प्रभाग के कार्यो के सम्पादन का दायित्व मिलने के उपरान्त अधिकारियों एवं कार्मिकों की व्यक्तिगत समस्याओं का निवारण करते हुए कार्यालय से सम्बन्धित अन्य समस्याओं तथा साँख्यिकीय कार्यो को गुणवत्ता के साथ निस्पादित करना मेरी प्राथमिकता रही है।

वर्ष 2014 के प्रथम त्रैमास में प्रभाग में पहले से रूके हुए अर्थ एवं संख्याधिकारी, अपर साँख्यिकीय अधिकारी एवं लिपिक संवर्ग में प्रोन्नति को पूर्ण किया गया तथा द्वितीय त्रैमास में साँख्यिकीय कार्यो की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए उसका प्रारम्भ 29 जून 2014 को प्रोफेसर पी0सी0 महालोनोविस जन्म दिवस को सार्थक बनाते हुए साँख्यिकीय दिवस मनाया गया। जिसका विषय '' सेवा क्षेत्र साँख्यिकीय'' था। इसी त्रैमास में अन्य महत्वपूर्ण रिपोर्टस यथा उ0प्र0 के आय-व्ययक का आर्थिक एवं कार्य सम्बधी वर्गीकरण, आर्थिक समीक्षा, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के अन्तर्गत परिवारिक उपभोक्ता व्यय एवं पौष्टिक अन्तर्गहण, उ0प्र0 में रोजगार- बेरोजगारी की स्थिति एवं अन्य के प्रकाशन का कार्य कराया गया। उक्त प्रकाशनों से आर्थिक विश्लेषण की दृष्टि से प्रभाग की छवि प्रदेश एवं देश में प्रभावी रूप से प्रस्तुत की जा सकी।

गिरजा शंकर कटियार
निदेशक,अर्थ एवं संख्या,
उत्तर प्रदेश।

HIGHLIGHTS OF ACTIVITIES

1- PRICE AND WAGE STATISTICS
(base year 2004–05)

1. उत्तर प्रदेश के थोक भाव सामान्य सूचकांक (आधार वर्ष 2004-05=100) में त्रैमास जनवरी–मार्च 2014 का औसत सूचकांक 186.40 गत त्रैमास अक्टूबर–दिसम्बर 2013 के औसत सूचकांक 185.01 की तुलना में 0.8 प्रतिशत अधिक रहा तथा गत वर्ष के संगत त्रैमास जनवरी–मार्च 2013 के औसत सूचकांक 175.51 की तुलना में 6.2 प्रतिशत अधिक रहा। उत्तर प्रदेश में प्रमुख वर्गवार थोक भाव सूचकांक का तुलनात्मक ग्राफ निम्नवत है:–

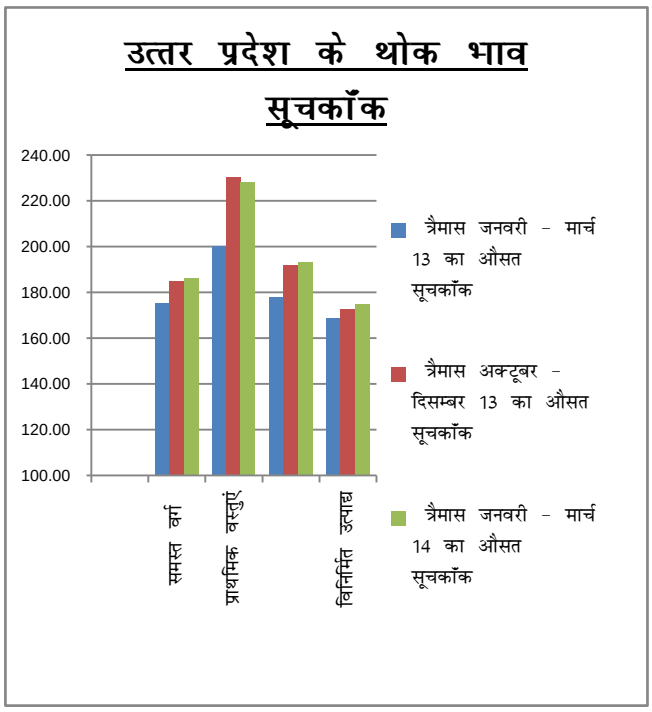

2. उत्तर प्रदेश के ग्रामीण उपभोक्ता भाव सामान्य सूचकांक (आधार वर्ष 2004-05=100) में त्रैमास जनवरी–मार्च 2014 का औसत सूचकांक 219.81 गत त्रैमास अक्टूबर–दिसम्बर 2013 के औसत सूचकांक 225.94 की तुलना में 2.71 प्रतिशत कम रहा तथा गत वर्ष के संगत त्रैमास जनवरी–मार्च 2013 के औसत सूचकांक 202.30 की तुलना में 8.66 प्रतिशत अधिक रहा। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण उपभोक्ता भाव सूचकांक के प्रमुख वर्गवार वर्गों का तुलनात्मक ग्राफ निम्नवत है:–

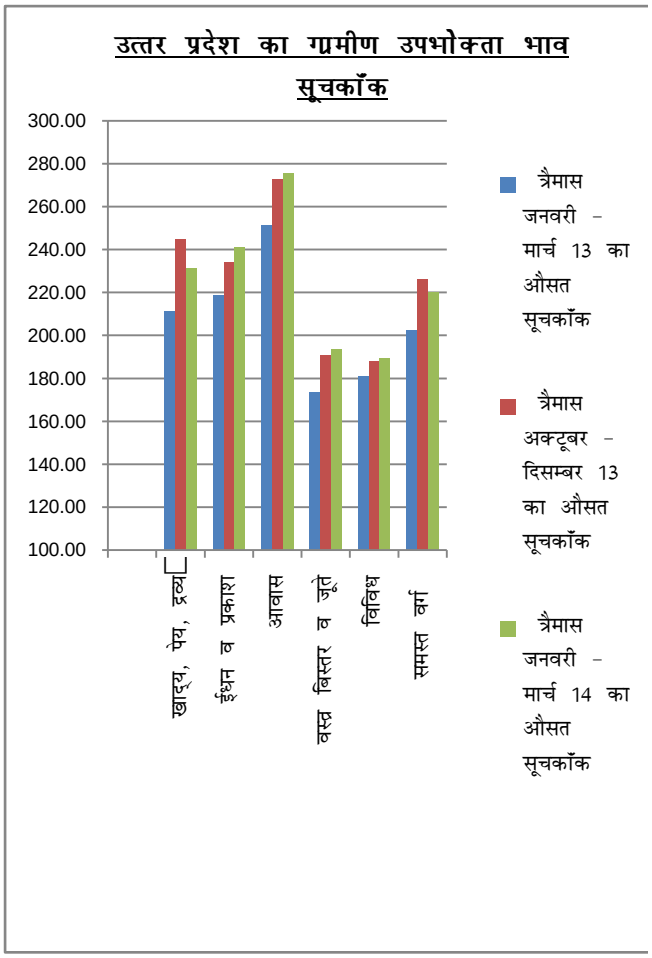

3. उत्तर प्रदेश के नगरीय उपभोक्ता भाव सामान्य सूचकांक (आधार वर्ष 2004-05=100) में त्रैमास जनवरी–मार्च 2014 का औसत सूचकांक 206.31 गत त्रैमास अक्टूबर–दिसम्बर 2013 के औसत सूचकांक 211.03 की तुलना में 2.24 प्रतिशत कम रहा तथा गत वर्ष के संगत त्रैमास जनवरी–मार्च 2013 के औसत सूचकांक 190.64 की तुलना में 8.22 प्रतिशत अधिक रहा। उत्तर प्रदेश के नगरीय उपभोक्ता भाव सूचकांक के प्रमुख वर्गवार वर्गों का तुलनात्मक ग्राफ निम्नवत है:–

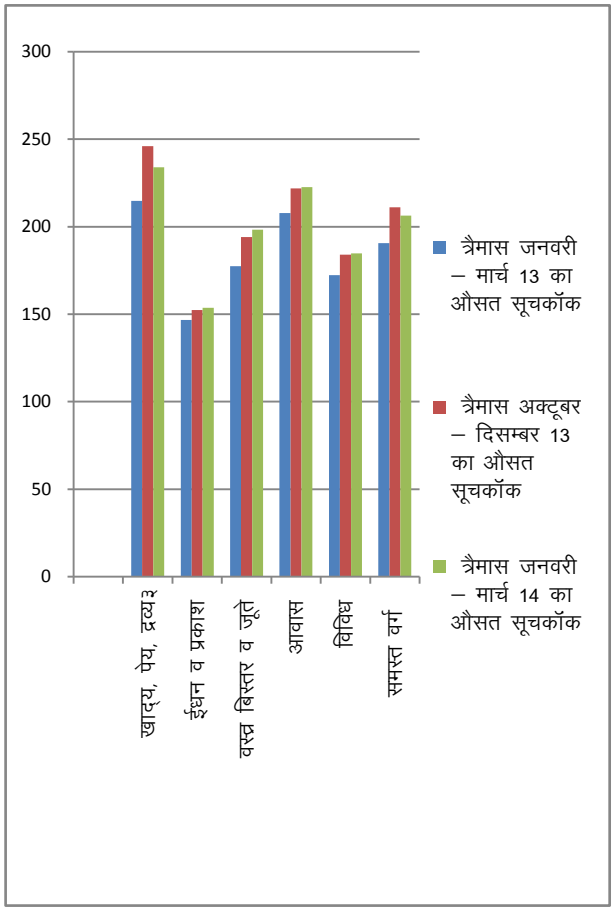

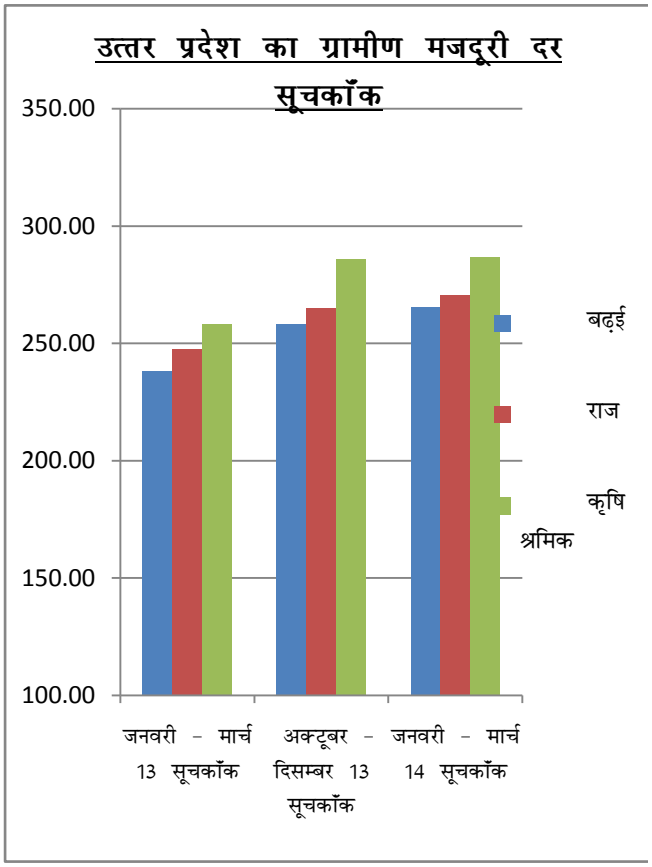

4- **उत्तर प्रदेश के ग्रामीण मजदूरी दर सूचकांक** के अन्तर्गत (आधार वर्ष 2004-05=100) त्रैमास जनवरी-मार्च 2014 में बढ़ई, राज व कृषि श्रमिक का मजूदरी दर सूचकांक क्रमश: 265.42, 270.75व 286.59 गत त्रैमास अक्टूबर-दिसम्बर 2013 में बढ़ई, राज व कृषि श्रमिक का मजूदरी दर के सूचकांक क्रमश: 258.12, 265.09व 286.10 की तुलना में क्रमश: 2.80 प्रतिशत, 2.10 प्रतिशत व 0.2 प्रतिशत अधिक रहा तथा गत वर्ष के संगत त्रैमास जनवरी-मार्च 2013 के औसत सूचकांक क्रमश: 238.38, 247.42 व 258.23 की तुलना में क्रमश: 11.34 प्रतिशत, 9.43 प्रतिशत व 10.98 प्रतिशत अधिक रहा। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण मजदूरी दर सूचकांक के विभिन्न वर्गो का ग्राफ निम्नवत है:-

5. **उत्तर प्रदेश के नगरीय मजदूरी दर** सामान्य सूचकांक (आधार वर्ष 2004-05=100) में त्रैमास जनवरी-मार्च 2014 में बढ़ई, राज व अकुशल श्रमिक की मजूदरी दर का औसत सूचकांक क्रमश: 265.92, 272.08 व 316.50 गत त्रैमास अक्टूबर-दिसम्बर 2013 के औसत सूचकांक क्रमश: 261.81, 267.99 व 310.55 की तुलना में क्रमश: 1.6 प्रतिशत, 1.5 प्रतिशत व 1.9 प्रतिशत अधिक रहा तथा गत वर्ष के संगत त्रैमास जनवरी-मार्च 2013 के औसत सूचकांक क्रमश: 238.10, 242.62व 278.85की तुलना में क्रमश: 11.70 प्रतिशत, 12.10 प्रतिशत व 13.50 प्रतिशत अधिक रहा। उत्तर प्रदेश के नगरीय मजदूरी दर सूचकांक के विभिन्न वर्गो का ग्राफ निम्नवत है:-

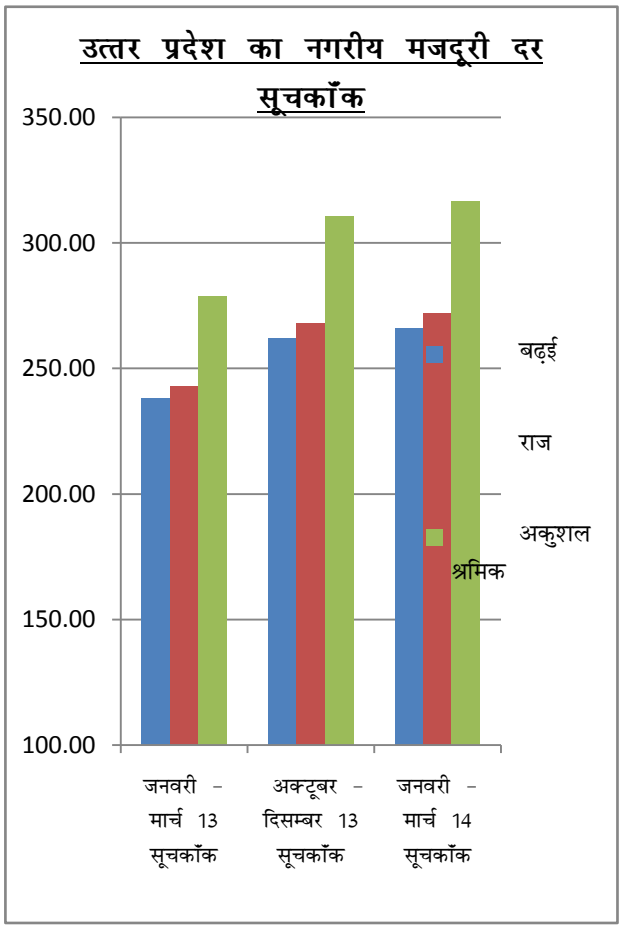

6. श्रम ब्यूरो, चण्डीगढ. द्वारा औद्योगिक श्रमिकों के उपभोक्ता भाव सूचकाँक के आधार वर्ष परिवर्तन का कार्य किया जा रहा है। श्री दलजीत सिंह, महानिदेशक, श्रम ब्यूरो, चण्डीगढ की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल ने निदेशक एवं मुख्यालय के अधिकारियों के साथ दिनांक 12.5.2014 को श्रमिक वर्ग पारिवारिक आय एवं व्यय सर्वेक्षण 2015 के प्रयोगिक/बाजार सर्वेक्षण पर चर्चा की। प्रदेश स्तर पर उक्त सूचकांक हेतु पाँच केन्द्र लखनऊ,आगरा,वाराणसी,कानपुरएवंगाजियाबाद/गौतमबुद्ध नगर चयनित है। चयनित केन्द्रो में पृथक-पृथक प्रतिनिधि मण्डल द्वारा श्रमिक वर्ग की पारिवारिक आय एवं व्यय सर्वेक्षण 2015 के प्रयोगिक/बाजारसर्वेक्षण किया गया। जिसमें चयनित केन्द्रो के अर्थ एवं संख्याधिकारियों द्वारा प्रतिनिधि मण्डल को अपेक्षित सहयोग प्रदान किया गया।

2-राज्य आय

वर्ष 2013-14 के तैयार संशोधित अग्रिम अनुमानों के अनुसार वर्ष 2013-14 में राज्य सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 5. 1 प्रतिशत परिलक्षित हुई तथा वर्ष 2012-13 में यह दर 5. 9 प्रतिशत थी। राज्य आय में प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक खण्डों की वृद्धि दर क्रमश: 2.4, 0.5 तथा 8.1 प्रतिशत अनुमानित है।

राज्य की प्रति व्यक्ति आय (प्रति व्यक्ति निवल राज्य घरेलू उत्पाद) वर्ष 2013-14 में रू0 37630 तथा वर्ष 2012-13 में रू0 33616 अनुमानित की गई है जो गत वर्ष की तुलना में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

3-राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण

1. रा0प्र0स0 71वीं आवृत्ति की प्रथम उपावृत्ति की 16 अवशेष इकाईयों एवं द्वितीय उपावृत्ति की 497 इकाईयों का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण कराया गया।
2. अपर सॉख्यिकीय अधिकारी(रा.प्र.स.)द्वारा रा0प्र0स0 71वीं आवृत्ति की द्वितीय उपावृत्ति की 476 इकाईयों का निरीक्षण कार्य किया गया।
3. रा0प्र0स0 70वीं आवृत्ति में कुल 1608 इकाईयों मे से 1201 इकाईयों की डेटा इन्ट्री का कार्य सम्पन्न कराया गया।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के अन्तर्गत त्रैमासान्त मे निम्न रिर्पोट प्रकाशित किये गये।

1. उत्तर प्रदेश मे परिवारिक उपभोक्ता व्यय एवं पौष्टिक अन्तर्ग्रहण (जुलाई 2009-जून 2010),रा.प्र.स. 66 वीं आवृत्ति अनुसूची 1.0(टाईप-1) पर आधारित।
2. उत्तर प्रदेश में पारिवारिक उपभोक्ता व्यय की स्थिति (जुलाई 2009-जून 2010),रा.प्र.स. 66 वीं आवृत्ति अनुसूची 1.0(टाईप-2) पर आधारित।
3. उत्तर प्रदेश में रोजगार-बेरोजगारी की स्थिति (जुलाई 2009-जून 2010), रा.प्र.स. 66 वीं आवृत्ति अनुसूची 10 पर आधारित।
4. उत्तर प्रदेश में अनिगमित गैर-कृषि उद्यम एवं ग्रामीण सुविधाएँ (जुलाई 2010-जून 2011), रा.प्र.स. 67 वीं आवृत्ति अनुसूची 0.0 पर आधारित।
5. उत्तर प्रदेश मे परिवार एवं व्यक्ति (जुलाई 2011-जून 2012), रा.प्र.स. 68 वीं आवृत्ति अनुसूची 0.0 पर आधारितरिर्पोट प्रकाशित की गयी।रिर्पोट के मुख्य अंश Highlights of Report में दिये गये है।

4- Housing Statistics

BUILDING CONSTRUCTION COST INDEX (BCCI)(2004-05=100)

During this period BCCI was prepared for quarter ending March 2014.

The index for top and bottom five districts of Uttar Pradesh for lower income group buildings were-

Sl no	Top five Districts	Index	Bottom five Districts	Index
1	Jhansi	394.67	J.P.Nagar	90.43
2	Shrawasti	384.24	Ambedkar Nagar	110.00
3	Amethi	378.68	Mau	117.13
4	Sultanpur	378.68	Jaunpur	118.22
5	Maharajganj	360.88	Barabanki	128.28

5–डेटा बैंक

आलोच्य त्रैमास में वित्तीय वर्ष 2013–14 की ''शिक्षा एवं प्राविधिक शिक्षा'' तथा ''बैकिंग ज्वाइन्ट स्टॉक कम्पनी एवं सहकारिता'' पर गठित उपसमिति की बैठक आयोजित कर उनके ऑकड़े पारित किये गये, जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

(क) **शिक्षा एवं प्राविधिक शिक्षा उपसमिति**–उक्त बैठक में कार्यरत डिप्लोमा स्तरीय इंजीनियरिंग संस्थाओं के वर्ष 2012–13 के ऑकड़ों के सन्दर्भ में डिप्लोमा स्तरीय संस्थानों की संख्या, प्रवेश क्षमता, वास्तविक प्रवेश के ऑकड़े पारित किये गये।

(ख) **बैकिंग ज्वाइन्ट स्टॉक कम्पनी एवं सहकारिता**–उक्त बैठक में दुग्ध विभाग के वर्ष 2012–13 के दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थो के वितरण जैसे घी, पनीर, मक्खन, दही आदि के ऑकड़े पारित किये गये। उक्त के अतिरिक्त कार्यरत समितियों की संख्या एवं सदस्यता के भी ऑकड़े पारित किये गये। सहकारिता विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये वर्ष 2008–09 एवं 2009–10 के जिला सहकारी बैकों, प्राइमरी कृषि ऋण सहकारी समितियों, दीर्घाकार बहुउद्देशीय सहकारी समितियों तथा वेतन भोगी सहकारी समितियों के समितियों की संख्या, कुल सदस्यता, अंश पूँजी, कार्यशील पूँजी एवं निक्षेप सम्बन्धी तथा जिला सहकारी बैंक शाखाओं की संख्या के भी ऑकड़े पारित किये गये।

6- INDEX OF INDUSTRIAL PRODUCTION

The monthly Index of Industrial Production for the month of January2014(P), February 2014(P), March 2014(P)of financial year 2013-14 and April 2014(Q) of financial year 2014-15 are available at base year 2004-05 which are shown below

Monthly	*Mining*	*Electricity*	*Manufacturing*	*General Index*
Jan14(P)	*84.79*	*552.42*	*159.11*	*209.82*
Feb14(P)	*110.59*	*507.71*	*151.66*	*200.45*
Mar14(P)	*110.59*	*529.84*	*153.46*	*205.10*
Apr14(Q)	*110.59*	*545.67*	*135.87*	*194.44*

For the month of January 2014(P), February 2014(P),March2014(P) and April2014(Q)the Index of mining sector is 84.79, 110.59, 110.59 and 110.59, electricity sector is 552.42, 507.71, 529.84 and 545.67 manufacturing sector is 159.11,151.66,153.46 and135.87 the general Index is 209.82. 200.45 ,205.10and 194.44 respectively.The general Index of month Jan.2014(P), Feb.2014,March2014 and April 2014 is showing an increase of 0.96%, 3.97%, 2.18% and 3.43% respectively from corresponding month of the previous year i.e. Jan.2013 and Feb.2013, Marh2013 and April 2013. The general Index of month Jan.2014 and March2014 increased by 4.89% and 2.32% , Feb.2014 and April2014 decreased by 4.47% and 5.20%respectively as compared to the corresponding previous month i.e. Dec.2013, Jan.2014, Feb.2014 and March2014.

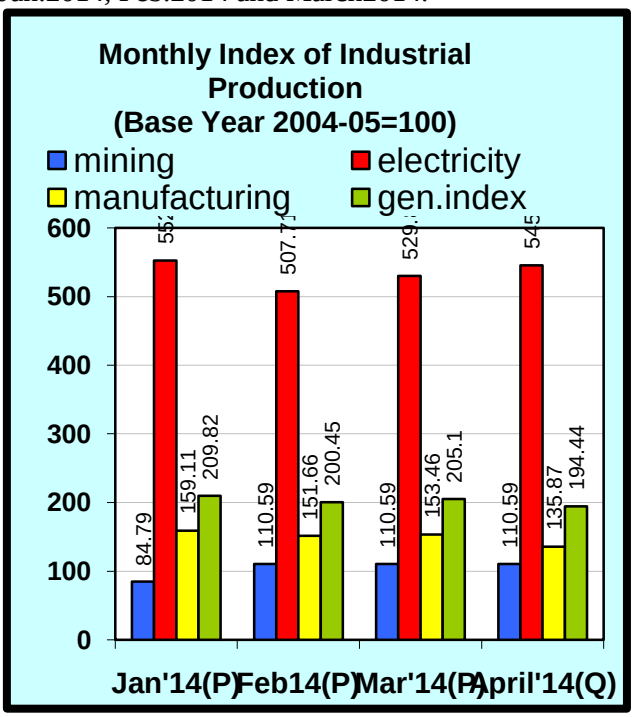

7- आर्थिक गणना

छठी आर्थिक गणना 2012-13 सम्पन्न कराने के लिए भारत सरकार से प्राप्त वित्तीय वर्ष 2013-14 में व्यय करने हेतु प्राप्त बजट की प्रथम एवं द्वितीय किश्त की धनराशि को जनपदों से आवंटित धनराशि के उपभोग की रिपोर्ट प्राप्त करके समीक्षा की गयी और आवश्यक कार्यवाही की गयी। 23 जनपदों से प्राप्त बजट उपभोग के व्यय विवरण अभिलेखों का परीक्षण किया गया। भारत सरकार के निर्देशानुसार अनुसूची 6A के जनपदों में तैयार पैकेटों को स्कैनिंग सेन्टर भेजने हेतु उठान की समीक्षा करके भारत सरकार द्वारा नामित एजेन्सी ब्लूडार्ट कम्पनी, फरीदाबाद द्वारा समस्त जनपदों से पैकेटों का उठान कराया गया। भारत सरकार के निर्देशानुसार डेटा प्रोसेसिंग के लिए अनुसूची 6A के जनपदों से स्कैनिंग सेन्टर के लिए उठान हेतु 15 कॉलमों के निर्धारित रूपपत्र पर प्रगणन खण्डवार इन्वैन्टरी MS-Excel पर तैयार कराकर समस्त जनपदों से सूचना प्राप्त की गयी औरभारत सरकार एवं श्री दीपक अरोड़ा, प्रोजेक्ट मैनेजर,M/S HCL Infosystems Ltd., फरीदाबाद को प्रेषित करायी गयी। अनुसूचियों 6A, 6B एवं6C के डेटा इन्ट्री एवं वैलीडेशन का कार्य सम्पन्न कराया गया। भारत सरकार के निर्देशानुसार सेन्सस टाउन की सूचना नगरीय क्षेत्र में सम्मिलित करके संशोधित त्वरित परिणाम जनपदों से प्राप्त कर भारत सरकार को भेजे गये तथा 6B एवं6C की अनुसूचियों से सम्बन्धित जनपदवार डेटा निर्धारित साफ्टवेयर पर फीड कराकर आँकड़े प्राप्त करने हेतु कार्यवाही की गयी। मण्डलीय उप निदेशकों की प्रभाग मुख्यालय पर आयोजित बैठक में जनपद स्तर पर लम्बित कार्यो का बिन्दुवार विवरण तैयार कर बैठक में समीक्षा करायी गयी। आर्थिक गणना 2012-13 हेतु भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गये साफ्टवेयर पर समस्त जनपदों में डेटा फीड कराया गया अनुसूचियों 6B एवं6C में 08 या उससे अधिक कार्यरत कार्मिकों वाले उद्यमों के आँकड़ों का परीक्षण किया गया एवं उनमें पायी गयी त्रुटियों को सम्बन्धित जनपदों से निराकरण कराकर तद्नुसार समस्त जनपदों के अनुसूची 6B के आँकड़े तथा अनुसूची 6C के 28 जनपदों के त्रुटि रहित आँकड़े अलग-अलग 02 फोल्डरों में भारत सरकार को भेजे गये। स्कैनिंग सेन्टर, फरीदाबाद द्वारा 6A अनुसूची की स्कैनिंग में पायी गयी त्रुटियों के सम्बन्ध में 31 जनपदों की प्राप्त सूचना के सापेक्ष 11 जनपदों द्वारा स्कैनिंग में पायी गयी त्रुटियों का संशोधन कराकर स्कैनिंग सेन्टर, फरीदाबाद को प्राप्त कराया गया। आर्थिक गणना 2012-13 के लिए वित्तीय वर्ष 2014-15 हेतु अवशेष देयकों के भुगतान हेतु बजट आवंटित करने के लिए जनपदों से मांग-पत्र मांगा गया।

8-वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण

1. इस त्रैमास के अन्त तक वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण वर्ष 2011-12 के राज्य प्रतिदर्श के अब तक समस्त 3392 कारखानों का सर्वेक्षण, परिनिरीक्षण एवं ऑकड़ों की डेटा इन्ट्री एवं वैलिडेशन का कार्य पूर्ण करने के साथ ही ऑकड़ों की प्राथमिक जाँच का कार्य तथा ऑकड़ों में पाई गयी त्रुटियों के निराकरण का कार्य पूर्ण किया गया।

2. वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण वर्ष 2012-13 के राज्य प्रतिदर्श के आवण्टित कुल 1292 कारखानों में से 675 कारखानों का सर्वेक्षण, 450 कारखानों के आकड़ों का परिनिरीक्षण कार्य के साथ ही 73 कारखानों के आकड़ों की डेटा इन्ट्री एवं वैलिडेशन का कार्य भी आलोच्य अवधि में पूर्ण किया गया।

प्रशिक्षण/कार्यशाला

- **पुनः बोधात्मक प्रशिक्षण** कार्यक्रम में अर्थ एवं संख्या प्रभाग के 24 अपर सांख्यिकीय अधिकारियों द्वारा दिनांक 19.5.14 से 23.5.14 की अवधि में प्रशिक्षण प्रभाग, राज्य नियोजन संस्थान, लखनऊ में प्रशिक्षण प्राप्त किया गया
- **ग्रामीण विकास परियोजनओं का नियोजन एवं कार्यान्वय** विषय पर श्री सुरेन्द्र सिंह, अपर सॉख्यिकीय अधिकारी, आगरा, श्री असलम परवेज अपर सॉख्यिकीय अधिकारी, बिजनौर तथा श्री अनिल कुमार यादव, अपर सॉख्यिकीय अधिकारी वाराणसी द्वारा दिनांक 2.6.14 से 6.6.14 के मध्य प्रशिक्षण प्रभाग, राज्य नियोजन संस्थान, लखनऊ में प्रशिक्षण प्राप्त किया गया
- **कम्प्यूटर का सामान्य उपयोग एवं संचालन** विषय पर श्री अरविन्द चंदवरिया, अपर सॉख्यिकीयअधिकारी एटा एवं श्री इन्दु भूषण प्रसाद, अपर सॉख्यिकीयअधिकारी, गोरखपुर द्वारा दिनांक 9. 6.14 से 13.6.14 की अवधि में प्रशिक्षण प्रभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।
- Centrefor The Development of Financial Administration Indira Nagar, Lucknow द्वारा दिनांक 9.6.14 से 13.6.14 की अवधि में **Financial Management for Drawing & Disbursing Officers**विषय पर आयोजित प्रशिक्षण में अर्थ एवं संख्या प्रभाग के 18 अपर सांख्यिकीय अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।
- आधार भूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रभाग के 24 सहायक सॉख्यिकीय अधिकारियों द्वारा दिनांक 16.6.14 से 27.6.14 की अवधि में प्रशिक्षण प्रभाग, राज्य नियोजन संस्थान, लखनऊ में प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।
- नेशनल स्टैटिस्टीकल सिस्टम ट्रेनिंग अकादमी(NSSTA) सॉख्यिकीय एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार, गौतमबुद्ध नगर, उ0प्र0 द्वारा दिनांक 23.6.2014 से 27.6.2014 तक आयोजित ''Social Statisties'' विषय पर श्री आदिल फैज, अपर सॉख्यिकीय अधिकारी तथा श्री असलम परवेज, अपर सॉख्यिकीय अधिकारी, जनपद बिजनौर द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया
- अर्थ एवं संख्या प्रभाग की सांख्यिकीय सूचना तंत्र का आधुनिकीकरण नामक परियोजना के अन्तर्गत विकसित किये गये Online Data Entry and Reporting System के 06 मॉड्यूल्स का प्रभाग मुख्यालय के 33 सहायकों/अधिकारियों को दिनांक 29 मई, 2014 से 30 मई, 2014 तक 06 बैचेस में प्रशिक्षण प्रदान कराया गया।

कार्मिक

सेवानिवृत्ति

अपर सांख्यिकीय अधिकारी

- श्री शमशाद हुसैन, जनपद बरेलीदिनांक 31.5.14
- श्री राधेश्याम त्रिपाठी,कौशाम्बी, दिनांक 31.5.14
- श्री देशदीपक अग्निहोत्री,मण्डल लखनऊ,दिनांक 30.6.14
- श्रीबृज मोहन दुग्गल, जनपद गोण्डा, दिनांक 30.6.14
- श्रीसील चन्द्र सिघंई, जनपद झांसी,दिनांक 30.6.14

सहायक सांख्यिकीय अधिकारी

- श्री अशोक कुमार शुक्ला, मुख्यालय, दिनांक 30.4.14
- श्री लालवंश यादव, जनपद, अम्बेडकर नगर दिनांक 30.4.14
- श्री रामराज पाल, जनपद प्रतापगढ़ दिनांक 31.5.2014
- श्री द्वारिका प्रसाद पाण्डेय, जनपद बस्ती, दिनांक 30.6. 14
- श्री अशोक कुमार गुप्ता,जनपद संतकबीरनगर, दिनांक 30.6.14
- श्री नसीम अख्तर, जनपद मुरादाबाद, दिनांक 30.6.14

सहायक ग्राफ आर्टिस्ट/कार्टोग्राफिक असिस्टेंट

- श्री राधेश्याम लाल श्रीवास्तव, जनपद मऊ, दिनांक 30.6.14
- श्री अनिल कुमार चौधरी, जनपद कानपुर नगर, दिनांक 30.6.14

चपरासी

- श्री देवेन्द्र नाथ, जनपद फैजाबाद, दिनांक 31.5.14

मृत्यु

- श्री कदीर अहमद, कनिष्ठ सहायक, मुख्यालय 15.6.14
- श्री राम कुमार, जनपद शाहजहाँपुर, 1.6.14
- श्री अनिल कुमार, अपर सांख्यिकीय अधिकारी, सोनभद्र, 15.6.14
- श्री नवेन्दु चारू नीलरत्न, अपर सांख्यिकीय अधिकारी, गौतमबुद्धनगर, 3.6.14

पदोन्नति

- शासन के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 5.5.14 द्वारा निदेशक पद पर पदोन्नति आदेश जारी किये गये।
- शासन के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 7.5.14 द्वारा एकअपर निदेशक, के पद हेतुपदोन्नति आदेश जारी किये गये।
- शासन के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 9.6.14 द्वारा एकसंयुक्त निदेशक एवं एक उप निदेशक के पद हेतु पदोन्नति आदेश जारी किया गया।
- शासन के कार्यालय विज्ञप्ति दिनांक 27.6.14 द्वारा 56 अर्थ एवं संख्याधिकारी के पद हेतु पदोन्नति आदेश जारी किये गये।

समयमान वेतनमान/वित्तीयस्तरोन्नयन

प्रभाग द्वारा 7 अर्थ एवं संख्याधिकारी को 8 वर्ष की सेवा के उपरान्त प्रथम प्रोन्नत वेतनमान, 181 सहायक साँख्यिकीय अधिकारियों को 10 वर्ष की सेवा के उपरान्तप्रथम वित्तीय स्तरोन्नयन, 15 सहायक साँख्यिकीय अधिकारियों को 26 वर्ष की सेवा के उपरान्त तृतीय वित्तीय स्तरोन्नयन, 2 आशुलिपिकों को 26 वर्ष की सेवा के उपरान्त तृतीय वित्तीय स्तरोन्नयन, 5 कनिष्ट सहायकों को 10 वर्ष की सेवा के उपरान्त प्रथम वित्तीय स्तरोन्नयन, 3 चालको को 26 वर्ष की सेवा के उपरान्त तृतीय वित्तीय स्तरोन्नयन,2 चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों को 26 वर्ष की सेवा के उपरान्त तृतीय वित्तीय स्तरोन्नयन,1चतुर्थ श्रेणी कार्मिक को 16 वर्ष की संतोष जनक सेवा के उपरान्त द्वितीय वित्तीय स्तरोन्नयन तथा 7 उर्दू अनुवादकों को 16 वर्ष की संतोषजनक सेवा के उपरान्त द्वितीय वित्तीय स्तरोन्नयन का लाभ प्रदान किया गया।

नियुक्ति

प्रभाग द्वारा दिनांक 26.5.14को जारी आदेश के अन्तर्गत 18अभ्यथियों को कनिष्ठ सहायक के पद पर मृतक आश्रित नियमावली के तहत नियुक्ति आदेश निर्गत किये गये।

Highlights of Report

(1) उ0प्र0 के आय-व्ययक का आर्थिक एवं कार्य सम्बंधी वर्गीकरण

राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष ''आय-व्ययक स्मृति-पत्र'' में सरकार के समस्त वित्तीय लेन-देनों का पूर्ण विवरण ब्यौरेवार अनुमान एवं अनुदान दिया जाता है। इन अभिलेखों में संविधान के प्राविधानों एवं वैधानिक नियत्रंक की आवश्यकता के अनुसार समस्त प्राप्तियों एवं संवितरणों का वर्णन निर्धारित लेखा शीर्षकों के अन्तर्गत रहता है । इन विभिन्न मदों को पुर्नवर्गीकृत एवं पुन: समूहीकृत करके प्रत्येक वर्ष अर्थ एवं संख्या प्रभाग द्वारा उ0प्र0 के आय-व्ययक का आर्थिक एवं कार्य सम्बंधी वर्गीकरण तैयार किया जाता है । वर्ष 1965-66 में अर्थ एवं संख्या प्रभाग द्वारा आय-व्ययक का आर्थिक वर्गीकरण प्रारम्भ किया गया। वर्ष 1966-67 से आर्थिक वर्गीकरण के साथ-साथ प्रयोजनात्मक प्रभावों का अध्ययन करने के उद्देश्य से कार्य सम्बंधी वर्गीकरण भी आरम्भ किया गया। आर्थिक वर्गीकरण में समस्त सरकारी ब्यौरेवार व्यय को पृथक करके उनको अर्थ पूर्ण आर्थिक श्रेणियों अर्थात् खपत सम्बंधी व्यय, पूंजी निर्माण, वित्तीय निवेश आदि के रुप में वर्गीकृत किया जाता है । कार्य सम्बंधी वर्गीकरण में व्ययों को सम्बंधित योजनाओं जैसे- प्रशासन, सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आर्थिक सेवाओं के अन्तर्गत बांटकर दर्शाया जाता है । आलोच्य अवधि में उ0प्र0 सरकार के आय-व्ययक वर्ष 2013-14 के अनुसार ''उ0प्र0 के आय-व्ययक का आर्थिक एवं कार्य सम्बंधी वर्गीकरण वर्ष 2013-14'' का प्रकाशन किया गया जिसमें वर्ष 2011-12 के वास्तविक व्यय, वर्ष 2012-13 के पुनरीक्षित अनुमान तथा 2013-14 के आय-व्ययक अनुमान दर्शाये गये है। मुख्य निष्कर्ष इस प्रकार रहे :-

वर्ष 2013-14 के आय-व्ययक में विभागीय वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के कार्य चालन व्ययों को छोड़कर राज्य सरकार का अनुमानित कुल व्यय 180218.29 करोड़ रूपये है जो वर्ष 2012-13 के पुनरीक्षित अनुमानों से 20016.69 करोड़ रूपये तथा वर्ष 2011-12 में वास्तविक व्यय से 48172.78 करोड़ रूपये अधिक है। अनुमानित कुल व्यय में से 80921.60 करोड़ रूपये अर्थात् 44.9 प्रतिशत सरकार का अन्तिम परिव्यय है। कुल व्यय का शेष भाग 99296.69 करोड़ रूपये अर्थात् 55.1 प्रतिशत अंश अन्तरण अदायगियां, वित्तीय निवेशों एवं ऋणों के रूप में शेष अर्थव्यवस्था को प्रदान करने के लिए अनुमानित है।

वर्ष 2013-14 में राज्य सरकार द्वारा प्रत्यक्ष रूप से शुद्ध पूंजी निर्माण की धनराशि 24807.24 करोड़ रूपये आंकी गई है जो अन्तिम परिव्यय 80921.60 करोड़ रूपये का 30.7 प्रतिशत है। उक्त के अतिरिक्त राज्य की शेष अर्थ व्यवस्था में शुद्ध पूंजी निर्माण के लिये वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से पूंजी निर्माण के लिये अनुदान 2431.05 करोड़ रूपये, पूंजी निर्माण के लिये ऋण 1163.77 करोड़ रूपये तथा निवेश 5562.21 करोड़ रूपये का प्राविधान है। इस प्रकार शुद्ध पूंजी निर्माण 33964.27 करोड़ रूपये आंकलित है जो कि कुल व्यय का 18. 8 प्रतिशत है। वर्ष 2011-12 में वास्तविक कुल व्यय 132045.51 करोड़ रूपये में शुद्ध पूंजी निर्माण हेतु 22608.47 करोड़ रूपये व्यय किये गये जो कि 17.1 प्रतिशत रहे।

राज्य सरकार के आय-व्ययक के आर्थिक वर्गीकरण को 5 मदों में बांटा गया है जिनका प्रतिशत वितरण निम्न सारिणी में दर्शाया गया है:-

(प्रतिशत व्यय)

मद/वर्ष	वास्तविक (2011-12)	पुनरीक्षित अनुमान (2012-13)	आय-व्ययक अनुमान (2013-14)
1. खपत सम्बन्धी शुद्ध व्यय	31.6	30.5	29.6
2. अन्तरण एवं अदायगियां	55.4	56.1	53.2
3. पूंजी निर्माण	9.2	11.0	13.2
4. पूंजी शेयरों में निवेश	3.1	1.8	2.9
5. ऋण एवं अग्रिम	0.7	0.6	1.1

राज्य सरकार के आय-व्ययक के कार्य सम्बन्धी वर्गीकरण को 8 मदों में प्रतिशत व्यय के रूप में दर्शाया गया है, जो निम्न प्रकार है:-

(प्रतिशत व्यय)

मद/वर्ष	वास्तविक (2011-12)	पुनरीक्षित अनुमान (2012-13)	आय-व्ययक अनुमान (2013-14)
1. सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण	9.3	9.0	9.1
2. स्वास्थ्य	4.9	6.3	6.3
3. शिक्षा	23.8	22.3	19.9
4. सामान्य सेवाएं	18.5	19.7	21.8
5. आर्थिक सेवाएं	22.1	23.0	23.6
6. अन्य सेवाएं	16.6	14.3	13.3
7. सांस्कृतिक एवं धार्मिक सेवाएं	(-)0.4	0.3	0.3
8. आवास एवं सामुदायिक सेवाएं	5.2	5.1	5.7

(2) उ0प्र0 की आर्थिक समीक्षा

प्रदेश के आर्थिक एवं सामाजिक कार्यकलापों का विश्लेषण कर तथ्यात्मक स्थिति प्रस्तुत करने हेतु अर्थ एवं संख्या प्रभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष ''उ0प्र0 की आर्थिक समीक्षा'' नामक पुस्तिका प्रकाशित की जाती है। आलोच्य अवधि में ''उ0प्र0 की आर्थिक समीक्षा-2012-13'' का प्रकाशन किया गया। पत्रिका के मुख्य बिन्दु निम्नवत् रहें-

- प्रदेश में प्रचलित भावों पर प्रति व्यक्ति आय में वर्ष 2011-12 की अपेक्षा वर्ष 2012-13 में 11.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- प्रदेश में वर्ष 2011-12 में कुल बोया गया क्षेत्रफल 25728 ह0 हे0 था जो गत वर्ष की अपेक्षा 0.4 प्रतिशत अधिक रहा।
- प्रदेश में वर्ष 2012-13 में कुल 12626 अनुसूचित व्यवसायिक बैंक कार्यरत थे, जो उक्त अवधि में देश में कार्यरत अनुसूचित व्यवसायिक बैंक कार्यालयों का 12.1 प्रतिशत है।
- प्रदेश में वर्ष 2010-11 में कार्यरत पंजीकृत कारखानों की संख्या 11312 थी जो उक्त अवधि में देश में कार्यरत पंजीकृत कारखानों का 6.6 प्रतिशत रही।
- वर्ष 2011-12 की अपेक्षा वर्ष 2012-13 में कुल विद्युत उत्पादन तथा उपभोग में क्रमशः 1.4 तथा 11.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- प्रदेश में सड़क पर चल रही मोटर गाड़ियों की संख्या में वर्ष 2012-13 में गत वर्ष की अपेक्षा 10.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- प्रदेश में वर्ष 2012-13 में कुल 17671 डाकघर थे जिनमें से 15744 डाकघर ग्रामीण क्षेत्र में तथा 1927 डाकघर नगरीय क्षेत्र में थे।
- प्रदेश में वर्ष 2012-13 में जूनियर बेसिक विद्यालय, सीनियर बेसिक विद्यालय तथा हायर सेकेन्डी विद्यालयों की संख्या में क्रमशः 8.24, 0.38 एवं 6.63 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- प्रदेश में वर्ष 2012-13 में जूनियर बेसिक, सीनियर बेसिक तथा हायर सेकेन्डी विद्यालयों में छात्र अध्यापक अनुपात क्रमशः 72, 42 एवं 51 रहा।
- प्रदेश में लोक निर्माण विभाग द्वारा संघृत पक्की सड़कों की लम्बाई में वर्ष 2011-12 में गत वर्ष की अपेक्षा 5.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

- उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र में कार्यरत महिला कर्मचारियों की संख्या में वर्ष 2011-12 में गतवर्ष की अपेक्षा 4.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

<u>उ0प्र0 में सकल स्थायी पूंजी निर्माण के अनुमानः-</u>

अर्थ एवं संख्या प्रभागद्वाराउत्तर प्रदेश मेंसकल स्थायी पूंजी निर्माणके अनुमानवर्ष 1999-2000 से तैयार किये जा रहे हैं। यह अनुमान सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र के लिये अलग-अलग तैयार किये जा रहे हैं। आलोच्य अवधि में वर्ष 2011-12 के अनुमान तैयार किये गये हैं।

उत्तर प्रदेश में सकल स्थायी पूंजी निर्माण के अनुमान वर्ष 2011-12 में सार्वजनिक क्षेत्र में 4024559 लाख रू0 अनुमानित किये गये है जो गत वर्ष 2010-11 के अनुमान 3579519 लाख रू0 से 12.43 प्रतिशत अधिक रहे।

इसी प्रकार निजी क्षेत्र में पूंजी निर्माण के वर्ष 2010-11 के अनुमान 5921239 लाख रू0 थे जो बढ़कर वर्ष 2011-12 में 7313960 लाख रू0 हो गये जो गत वर्ष से 23.52 प्रतिशत रहे। कुल सकल स्थायी पूंजी निर्माण के अनुमान वर्ष 2010-11 में 9500758 लाख रू0 थे जो वर्ष 2011-12 में बढ़कर 11338519 लाख रू0 हो गये। इस प्रकार गत वर्ष की तुलना में 19.34 प्रतिशत वृद्धि रही।

जिसका विवरण निम्नवत् है:-

क्षेत्र	वर्ष 2011-12 हेतु GFCF, (Rs. lakhs) में	वर्ष 2010-11 हेतु GFCF,(Rs. Lakhs)में	गत वर्ष से प्रतिशत वृद्धि
सार्वजनिक क्षेत्र			
(i)प्रशासनिक	1184995	1267709	(-)6.52
(ii)विभागीय वाणिज्यिक उपक्रम	211298	233148	(-)9.37
(iii)गैर विभागीय वाणिज्यिक उपक्रम	466013	207601	124.48
(iv)स्थानीय निकाय	1226520	895770	36.92
(v)अधिक्षेत्रीय क्षेत्र (सुपरा-रीजनल)	935733	975291	(-)4.06
योग (सार्वजनिक क्षेत्र)	**4024559**	**3579519**	**12.43**
निजी क्षेत्र			
(i)पारिवारिक क्षेत्र	6407522	5112832	25.32
(ii)अधिक्षेत्रीय क्षेत्र (सुपरा-रीजनल)	906438	808407	12.13
योग (निजी क्षेत्र)	**7313960**	**5921239**	**23.52**
कुल योग	**11338519**	**9500758**	**19.34**

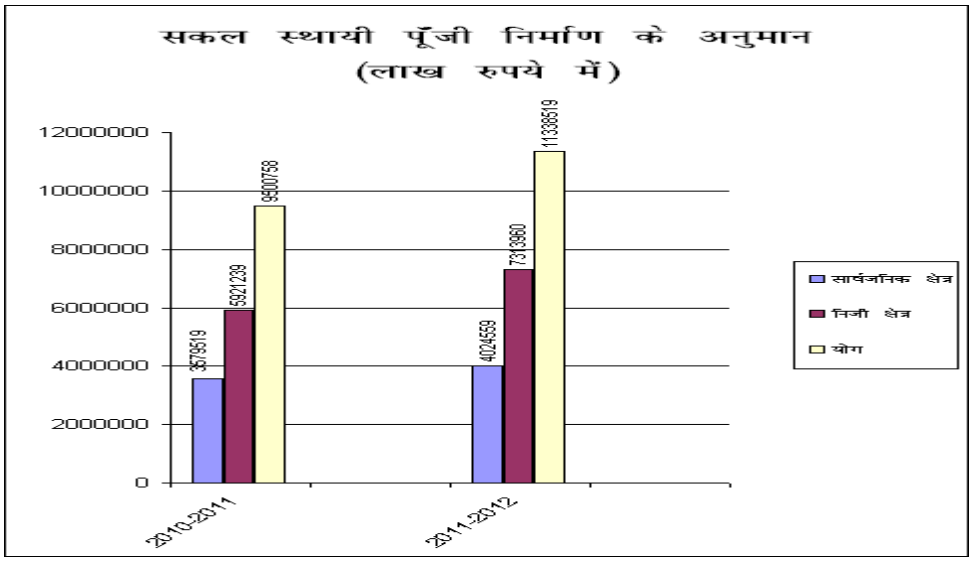

(3) 'पारिवारिक उपभोक्ता व्यय एवं पौष्टिक अन्तर्ग्रहण'
राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण 66वीं आवृत्ति अनुसूची 1.0 (टाईप–1)(जुलाई 2009–जून 2010)

रा.प्र.स. के आठवें पंचवार्षिकीय सर्वेक्षण हेतु ग्रामीण क्षेत्र में 11824 परिवारों तथा नगरीय में 6191 परिवारों का चयन किया गया। इस रिपोर्ट में औसत प्रति व्यक्ति मासिक उपभोक्ता व्यय का आंकलन समान संदर्भ अवधि (URP) तथा मिश्रित सन्दर्भ अवधि (MRP)के आधार पर किया गया है। मुख्य बिन्दु निम्नवत् हैं–

1. राज्य में कुल 320.65 लाख परिवार (79.16 प्रतिशत परिवार ग्रामीण क्षेत्र में तथा 20.84 प्रतिशत नगरीय क्षेत्र) अनुमानित हुए। राज्य में कुल 1703.58 लाख व्यक्ति (80.02 प्रतिशत व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्र में तथा 19.98 प्रतिशत व्यक्ति नगरीय क्षेत्र) अनुमानित हुए।
2. राज्य में औसत परिवार आकार 5.31 पाया गया, जो ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में क्रमशः 5.37 तथा 5.09 अनुमानित हुआ।
3. राज्य में प्रति 1000 पुरूषों पर महिलाओं की संख्या (लिंगानुपात) 895 अनुमानित हुआ जो ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में क्रमशः 903 तथा 861 अनुमानित हुआ।
4. राज्य में साक्षरता की दर 67.48 प्रतिशत पायी गयी। पुरूषों में यह 76.86 प्रतिशत तथा महिलाओं में 56.83 रही। ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में व्यक्तियों की साक्षरता दर क्रमशः 64.03 प्रतिशत तथा 74.37 प्रतिशत अनुमानित हुई।
5. राज्य में **समान संदर्भ अवधि** (URP)के अनुसार औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोक्ता व्यय रू. 884.39 अनुमानित हुआ, जो ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में क्रमशः रू. 801.59 तथा रू. 1216.10 पाया गया।
6. राज्य में **मिश्रित संदर्भ अवधि** (MRP)के अनुसार औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोक्ता व्यय रू. 907.42 अनुमानित हुआ, जो ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में क्रमशः रू. 813.26 तथा रू. 1284.62 पाया गया।
7. **समान संदर्भ अवधि (URP)** के अनुसार राज्य के कुल मा.प्र.व्य.उ.व्यय में खाद्य तथा अखाद्य वस्तुओं पर कुल व्यय क्रमशः रू. 476.35 (53.18 प्रतिशत) तथा रू. 408.05 (46.14 प्रतिशत) रहा।

8. **समान संदर्भ अवधि (URP)** के अनुसार राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के कुल मा.प्र.व्य.उ.व्यय में खाद्य तथा अखाद्य वस्तुओं पर कुल व्यय क्रमशः रू. 450.30 (56.18 प्रतिशत) तथा रू. 351.29 (43.82 प्रतिशत) रहा। जबकि नगरीय क्षेत्र में खाद्य तथा अखाद्य वस्तुओं पर कुल व्यय क्रमशः रू. 580. 71 (47.75 प्रतिशत) तथा रू. 635.39 (52.25 प्रतिशत) रहा।
9. **मिश्रित संदर्भ अवधि (MRP)** के अनुसार राज्य के कुल मा.प्र.व्य.उ.व्यय में खाद्य तथा अखाद्य वस्तुओं पर कुल व्यय क्रमशः रू. 476.35 (52.49 प्रतिशत) तथा रू. 431.07 (47.51 प्रतिशत) रहा।
10. **मिश्रित संदर्भ अवधि (MRP)** के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के कुल मा.प्र.व्य.उ.व्यय में खाद्य तथा अखाद्य वस्तुओं पर कुल व्यय क्रमशः रू. 450.30 (55.37 प्रतिशत) तथा रू. 362.96 (44.63 प्रतिशत) रहा। जबकि नगरीय क्षेत्र में खाद्य तथा अखाद्य वस्तुओं पर कुल व्यय क्रमशः रू. 580. 71 (45.20 प्रतिशत) तथा रू. 703.92 (54.80 प्रतिशत) रहा।
11. राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में समान सन्दर्भ अवधि (URP) तथा मिश्रित सन्दर्भ अवधि (MRP) में प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2104 कैलोरी ग्रहण की गयी। प्रोटीन का अन्तर्ग्रहण 60.9 ग्राम तथा वसा का अन्तर्ग्रहण 40.7 ग्राम अनुमानित हुआ।
12. राज्य के नगरीय क्षेत्र में समान सन्दर्भ अवधि (URP) तथा मिश्रित सन्दर्भ अवधि (MRP) में प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2120 कैलोरी ग्रहण की गयी। प्रोटीन का अन्तर्ग्रहण 60.5 ग्राम तथा वसा का अन्तर्ग्रहण 52.4 ग्राम अनुमानित हुआ।
13. राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में प्रति परिवार ली जाने वाली कैलोरी में अनाज से ली जाने वाली कैलोरी का प्रतिशत 64.08 व अन्य खाद्य पदार्थों से ली जाने वाली कैलोरी का प्रतिशत 35.92 पायी गयी।
14. राज्य के नगरीय क्षेत्र में प्रति परिवार ली जाने वाली कैलोरी में अनाज से ली जाने वाली कैलोरी का प्रतिशत 53.79 व अन्य खाद्य पदार्थों से ली जाने वाली कैलोरी का प्रतिशत 46.21 पायी गयी।
15. राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में प्रोटीन के कुल अन्तर्ग्रहण में अनाज से ली जाने वाली प्रोटीन का प्रतिशत 68.00 पाया गया। दालों से 9.44 प्रतिशत, दूध व दुग्ध उत्पाद से 10.98 प्रतिशत व अण्डा, मछली, मांस से ली जाने वाली प्रोटीन का प्रतिशत 1.73 पाया गया।
16. नगरीय क्षेत्र में अनाज से प्रोटीन का प्रतिशत 59.99 रहा। दालों, दुग्ध व दुग्ध उत्पाद, अंडा मांस मछली व अन्य खाद्य पदार्थो से ली गयी प्रोटीन का प्रतिशत क्रमशः 10.11, 13.5, 2.60 तथा 13.78 रहा।
17. आर्थिक सम्भागवार मासिक प्रति व्यक्ति उपभोक्ता व्यय के अन्तर्गत **समान संदर्भ अवधि (URP)** के अनुसार राज्य में अधितम मा.प्र.व्य.उ.व्यय रू. 954.82 केन्द्रीय क्षेत्र में तथा न्यूनतम रू. 819. 28 दक्षिणी क्षेत्र में रहा। इसी प्रकार **मिश्रित संदर्भ अवधि (MRP)** के अनुसार राज्य में अधिकतम मा.प्र.व्य.उ.व्यय रू. 1004.73 केन्द्रीय क्षेत्र में तथा न्यूनतम रू. 830.80 पूर्वी क्षेत्र में रहा।

(4) 'पारिवारिक उपभोक्ता व्यय'
राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण 66वीं आवृत्ति अनुसूची 1.0 (टाईप–2)(जुलाई 2009–जून 2010)

रा.प्र.स के के आंकड़ों को एकत्र किये जाने हेतु ग्रामीण क्षेत्र में 11824 परिवारों तथा नगरीय में 6191 परिवारों का चयन किया गया। इस रिपोर्ट में औसत प्रति व्यक्ति मासिक उपभोक्ता व्यय का आंकलन आशोधित मिश्रित सन्दर्भ अवधि (MMRP)के आधार पर किया गया है। रिपोर्ट के मुख्य अंश निम्नवत् हैं :–

1. राज्य में कुल 320.65 लाख परिवार (79.15 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र में तथा 20.85 प्रतिशत नगरीय क्षेत्र में) पाये गये। राज्य में कुल 1714.11 लाख व्यक्ति (80.28 प्रतिशत व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्र में तथा 19.72 प्रतिशत व्यक्ति नगरीय क्षेत्र में) थे।
2. राज्य में औसत परिवार आकार 5.35 पाया गया, जो ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में क्रमशः 5.42 तथा 5.06 अनुमानित हुआ।
3. राज्य में प्रति 1000 पुरूषों पर महिलाओं की संख्या (लिंगानुपात) 886 अनुमानित हुआ जो ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में क्रमशः 890 तथा 866 अनुमानित हुआ।
4. राज्य में साक्षरता की दर 67.57 प्रतिशत पायी गयी। पुरूषों में यह 77.39 प्रतिशत तथा महिलाओं में 56.54 रही। ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में व्यक्तियों की साक्षरता दर क्रमशः 63.13 प्रतिशत तथा 77.18 प्रतिशत अनुमानित हुई।
5. राज्य में अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों का प्रतिशत न्यूनतम (1.36) तथा अधिकतम (51.21 प्रतिशत) अन्य पिछड़ा वर्ग का अनुमानित हुआ। अनुसूचित जाति के व्यक्तियों का प्रतिशत 24. 20 तथा अन्य वर्ग के व्यक्तियों का प्रतिशत 23.22 अनुमानित हुआ।
6. परिवार प्ररूप अनुसार राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में सर्वाधिक 45.14 प्रतिशत व्यक्ति कृषि में स्वनियोजित पाये गये तथा न्यूनतम 7.67 प्रतिशत व्यक्ति 'अन्य' वर्ग में नियोजित पाये गये। कृषि श्रमिकों का प्रतिशत 13.95, अन्य श्रमिक 18.98 प्रतिशत तथा गैर कृषि में स्वनियोजित व्यक्तियों का प्रतिशत 14.26 अनुमानित हुआ।
7. परिवार प्ररूप अनुसार राज्य के नगरीय क्षेत्र में 49.01 प्रतिशत व्यक्ति स्वनियोजित, 24.15 प्रतिशत व्यक्ति नियत मजदूरी/वेतनभोगी, 17.47 प्रतिशत व्यक्ति आकस्मिक श्रमिक तथा 9.37 प्रतिशत व्यक्ति अन्य वर्ग के अन्तर्गत पाये गये।
8. राज्य में औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोक्ता व्यय रू. 1029 अनुमानित हुआ, जो ग्रामीण क्षेत्र में रू. 922 तथा नगरीय क्षेत्र में रू. 1464 पाया गया।
9. राज्य के अनुसूचित जनजाति के परिवारों का औसत प्रति व्यक्ति मासिक उपभोक्ता व्यय रू. 982.86, अनुसूचित जाति के परिवारों का रू. 833.08, अन्य पिछड़ा वर्ग के परिवारों का रू. 968. 75 तथा अन्य वर्ग के परिवारों का रू. 1367.04 अनुमानित हुआ।
10. राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में गैर–कृषि में स्वनियोजित, कृषि श्रमिक, अन्य श्रमिक, कृषि में स्वनियोजित व अन्य परिवारों का औसत प्रति व्यक्ति मासिक उपभोक्ता व्यय क्रमशः रू. 930.21, रू. 803.49, रू. 749.35, रू. 995.47 व रू. 1111.25 अनुमानित हुआ।

11. राज्य के नगरीय क्षेत्र में स्वनियोजित, नियत मजदूरी/वेतनभोगी, आकस्मिक श्रमिक व अन्य परिवारों का औसत प्रति व्यक्ति मासिक उपभोक्ता व्यय क्रमशः रू. 1328.42, रू. 2064.47, रू. 840.45 व रू. 1792.39 अनुमानित हुआ।
12. राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2660 कैलोरी ग्रहण की गयी। प्रोटीन का अन्तर्ग्रहण 71.0 ग्राम तथा वसा का अन्तर्ग्रहण 84.0 ग्राम अनुमानित हुआ।
13. राज्य के नगरीय क्षेत्र में प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2455 कैलोरी ग्रहण की गयी। प्रोटीन का अन्तर्ग्रहण 70.0 ग्राम तथा वसा का अन्तर्ग्रहण 67.0 ग्राम अनुमानित हुआ।
14. राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में प्रति परिवार ली जाने वाली कैलोरी में अनाज से ली जाने वाली कैलोरी का प्रतिशत 50.53 व अन्य खाद्य पदार्थों से ली जाने वाली कैलोरी का प्रतिशत 49.47 पायी गयी।
15. राज्य के नगरीय क्षेत्र में प्रति परिवार ली जाने वाली कैलोरी में अनाज से ली जाने वाली कैलोरी का प्रतिशत 48.34 व अन्य खाद्य पदार्थों से ली जाने वाली कैलोरी का प्रतिशत 51.66 पायी गयी।

(5) 'उ0प्र0 में रोजगार–बेरोजगारी की स्थिति'
रा.प्र.स. 66वीं आवृत्ति अनुसूची 10 (जुलाई 2009–जून 2010)

राज्य प्रतिदर्श के अन्तर्गत प्रदेश के **1478** ग्रामों तथा **774** नगरीय खण्डों में सर्वेक्षण सम्पन्न हुआ था। ग्रामीण क्षेत्र में **11,824** प्रतिदर्श परिवार तथा नगरीय क्षेत्र में **6,191** प्रतिदर्श परिवारों से आंकड़े एकत्र किये गये। इस प्रकार कुल **18,015** परिवार सर्वेक्षण में आवृत्त (covered) हुए थे। इन सर्वेक्षित परिवारों से ग्रामीण क्षेत्र में **66,142** प्रतिदर्श व्यक्ति, नगरीय क्षेत्र में **32,024** प्रतिदर्श व्यक्ति तथा राज्य में कुल **98,166** प्रतिदर्श व्यक्तियों से पूछ–ताछ की गयी। रोजगार–बेरोजगारी सम्बन्धित वार्षिक सर्वेक्षणों के तारतम्य में रोजगार–बेरोजगारी के आंकड़ों के आंकलन हेतु तीन पद्धतियां इस सर्वेक्षण में प्रयुक्त हुईं थी। (i) प्रायिक कार्यकलाप स्तर (usual status) संदर्भ अवधि 1 वर्ष (ii) चालू सप्ताहिक कार्यकलाप स्तर (current weekly status) संदर्भ अवधि 1 सप्ताह (iii) चालू दैनिक कार्यकलाप स्तर (current daily status) संदर्भ अवधि 1 सप्ताह में प्रत्येक दिन। कुल कर्मियों हेतु प्रायिक कार्यकलाप में मुख्य एवं गौण कार्यकलाप को सम्मिलित करते हुए अनुमान आंकलित किया गया है। प्रस्तुत रिपोर्ट के मुख्य–2 परिणाम निम्न प्रकार हैंः–

परिवार एवं व्यक्ति

- राज्य में 80.0 प्रतिशत परिवार ग्रामीण क्षेत्र में तथा 20.0 प्रतिशत नगरीय क्षेत्र में पाये गये। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में परिवार आकार क्रमशः 5.3 तथा 5.1 पाया गया। जबकि महिला प्रधान परिवार का परिवार आकार क्रमशः 4.2 व 4.1 पाया गया।
- ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में लिंगानुपात क्रमशः 895 व 868 पाया गया, जबकि महिला प्रधान परिवारों में यह अनुपात क्रमशः 1542 व 1583 पाया गया।
- ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में आयुवर्ग 15–59 वर्ष के अन्तर्गत क्रमशः 55.2 प्रतिशत तथा 61.2 प्रतिशत जनसंख्या पायी गयी।

- मुख्य परिवार उद्योग अनुसार ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में सर्वाधिक परिवार क्रमशः 64.7 प्रतिशत तथा 56.9 प्रतिशत क्रमशः प्राथमिक तथा तृतीयक क्षेत्र में पाये गये।
- ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में क्रमशः 57.8 तथा 48.4 प्रतिशत परिवार स्वनियोजित पाये गये।

ग्रामीण श्रमिक परिवार एवं उनकी ऋणग्रस्तता

- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के कुल परिवारों में से 29.8 प्रतिशत परिवार ग्रामीण श्रमिक के पाये गये। जिसमें से लगभग 13.8 प्रतिशत परिवार किसी न किसी प्रकार के ऋण लेने के कारण ऋणग्रस्त पाये गये।
- सरकार से ऋण लेने वाले ग्रामीण श्रमिक परिवारों में सबसे अधिक अनुसूचित जाति के 6.7 प्रतिशत परिवार व अन्य पिछड़ा वर्ग के 5.8 प्रतिशत परिवार अनुमानित हुए।
- प्रति परिवार औसतन रू. 52113 का ऋण अवशेष पाया गया। अवशेष ऋण की मात्रा अनुसूचित जनजाति के परिवारों में रू. 2000, अनुसूचित जाति के परिवारों में रू. 78065, अन्य पिछड़ा वर्ग के परिवारों में रू. 47366 व अन्य के मामले में प्रति परिवार रू. 37592 का ऋण अवशेष पाया गया।

श्रमशक्ति

- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के 29.0 प्रतिशत व्यक्ति प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य) अनुसार तथा 29.8 प्रतिशत व्यक्ति प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य+गौण), 29.3 प्रतिशत व्यक्ति चालू साप्ताहिक कार्यकलाप अनुसार तथा 28.5 प्रतिशत व्यक्ति चालू दैनिक कार्यकलाप अनुसार श्रमशक्ति के अन्तर्गत पाये गये। पुरूषों में यह प्रतिशत क्रमशः 50.7, 50.7, 50.5, तथा 49.9 एवं महिलाओं में यह प्रतिशत क्रमशः 4.8, 6.4, 5.6 तथा 4.6 पाया गया।
- राज्य के नगरीय क्षेत्र में प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य) अनुसार 29.0 प्रतिशत, प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य+गौण) अनुसार 29.1 प्रतिशत, चालू साप्ताहिक कार्यकलाप अनुसार 29.0 प्रतिशत तथा चालू दैनिक कार्यकलाप अनुसार 28.7 प्रतिशत व्यक्ति श्रमशक्ति (LFPR) के अन्तर्गत पाये गये। पुरूषों में यह प्रतिशत क्रमशः 50.2, 50.2, 50.1 तथा 49.8 एवं महिलाओं में क्रमशः 4.5, 4. 8, 4.7 तथा 4.4 पाया गया।

कार्यबल

- ग्रामीण क्षेत्र में प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य) अनुसार 28.6 प्रतिशत, प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य+गौण) अनुसार 29.3 प्रतिशत, चालू साप्ताहिक कार्यकलाप अनुसार 28.7 प्रतिशत तथा चालू दैनिक कार्यकलाप अनुसार 27.9 प्रतिशत व्यक्ति कार्यबल (WPR) के अन्तर्गत पाये गये। पुरूषों में यह प्रतिशत क्रमशः 50.0, 50.0, 49.6 तथा 49.0 एवं महिलाओं में क्रमशः 4.6, 6.2, 5.4 तथा 4.4 पाया गया।
- नगरीय क्षेत्र में प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य) अनुसार 28.3 प्रतिशत, प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य+गौण) अनुसार 28.4 प्रतिशत, चालू साप्ताहिक कार्यकलाप अनुसार 28.3 प्रतिशत तथा चालू दैनिक कार्यकलाप अनुसार 28.0 प्रतिशत व्यक्ति कार्यबल (WPR) के अन्तर्गत पाये गये। पुरूषों में यह प्रतिशत क्रमशः 49.1, 49.1, 49.0 तथा 48.7 एवं महिलाओं में क्रमशः 4.3, 4.6, 4.5 तथा 4.2 पाया गया।

बेरोजगारी

- ग्रामीण क्षेत्र में प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य) अनुसार 0.5 प्रतिशत, प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य+गौण) अनुसार 0.5 प्रतिशत, चालू साप्ताहिक कार्यकलाप अनुसार 0.6 प्रतिशत तथा चालू दैनिक कार्यकलाप अनुसार 0.6 प्रतिशत व्यक्ति बेरोजगार पाये गये। पुरूषों में यह प्रतिशत क्रमशः 0.7, 0.7, 0.9 तथा 0.9 एवं महिलाओं में प्रत्येक कार्यकलाप स्तर में 0.2 प्रतिशत पाया गया।
- नगरीय क्षेत्र में प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य) अनुसार 0.7 प्रतिशत, प्रायिक कार्यकलाप (मुख्य+गौण) अनुसार 0.7 प्रतिशत, चालू साप्ताहिक कार्यकलाप अनुसार 0.7 प्रतिशत तथा चालू दैनिक कार्यकलाप अनुसार 0.7 प्रतिशत व्यक्ति बेरोजगार पाये गये। पुरूषों में यह प्रतिशत प्रत्येक कार्यकलाप स्तर में 1.1 एवं महिलाओं में प्रत्येक कार्यकलाप स्तर में 0.7 प्रतिशत पाया गया।

नियमित मजदूरी/वेतनभोगी कर्मकरों की औसत परिलब्धियाँ (regular wage/salaried)

- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के नियमित मजदूरी/वेतनभोगी कर्मकरों की औसत परिलब्धियां रू. 332. 30 अनुमानित हुआ जबकि नगरीय क्षेत्र के मामले में यह अनुमान रू. 411.10 पाया गया।
- ग्रामीण क्षेत्र में 15–59 वर्ष आयुवर्ग के नियमित वेतन/मजदूरी वाले कर्मकरों की प्रतिदिन औसत मजदूरी पुरूषों हेतु रू. 338.1 तथा महिलाओं हेतु रू. 279.5 पायी गयी। जबकि नगरीय क्षेत्र में यह क्रमशः रू. 402.8 तथा रू. 494.8 पायी गयी।

''घरेलू कार्य में व्यस्त'' वर्गीकृत महिलाएं (15 वर्ष व अधिक)

- राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में ''घरेलू कार्य में व्यस्त'' वर्गीकृत 76.79 प्रतिशत महिलाएंपूरे वर्ष का अपना समय घरेलू कार्य में ही लगाती हैं। राज्य के नगरीय क्षेत्र में यह 74.1 प्रतिशत पायी गयी।
- ग्रामीण क्षेत्र की सामान्यतः घरेलू कार्य में संलग्न महिलाओं में से सर्वाधिक 4.7 प्रतिशत महिलाओं को डेयरी सम्बन्धी कार्य स्वीकार था। दर्जीगिरी तथा कताई व बुनाई सम्बन्धी कार्य स्वीकार करने वाली महिलाओं का प्रतिशत क्रमशः 3.5 तथा 2.5 अनुमानित हुआ। राज्य के नगरीय क्षेत्र में सर्वाधिक 4.9 प्रतिशत महिलाओं को दर्जीगिरी सम्बन्धी कार्य स्वीकार था।
- ग्रामीण क्षेत्र में स्वीकार करने योग्य कार्य हेतु 41.1 प्रतिशत महिलाओं को प्रशिक्षण की आवश्यकता थी, जबकि नगरीय क्षेत्र में यह प्रतिशत 42.0 रहा।

(6) परिवार तथा गैर–कृषि उद्यमों की सूची
रा.प्र.स. 67वीं आवृत्ति अनुसूची 0.0 (जुलाई 2010–जून 2011)

रिपोर्ट के मुख्य–2 निष्कर्ष निम्न प्रकार हैं–

1. राज्य में कुल 53.81 लाख गैर–कृषि उद्यम (निर्माण को छोड़कर) पाये गये, जिनमें से 29.55 लाख (54.90 प्रतिशत) ग्रामीण क्षेत्र में तथा 24.27 लाख (45.10 प्रतिशत) नगरीय क्षेत्र में पाये गये।
2. राज्य में अनुमानित कुल गैर–कृषि उद्यमों में से 13.02 लाख (24.20 प्रतिशत) विनिर्माण, 24.70 लाख (45.90 प्रतिशत) व्यापार तथा 16.09 लाख (29.90 प्रतिशत) अन्य सेवाएं में पाये गये।
3. राज्य के ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में सर्वाधिक उद्यम व्यापार क्षेत्र में पाये गये, जो कि 13.59 लाख (46.01 प्रतिशत) ग्रामीण क्षेत्र में तथा 11.11 लाख (45.78 प्रतिशत) नगरीय क्षेत्र में पाये गये।
4. राज्य के 20.0 प्रतिशत ऐसे गाँव पाये गये जहाँ 50 प्रतिशत या उससे अधिक परिवारों के पास विद्युत संयोजन पाया गया।
5. ग्रामीण क्षेत्र में जल निकासी के लिए प्रयोग की जाने वाली प्रमुख प्रणाली 'खुली पक्की नाली' थी जिनका प्रतिशत 49.0 था।
6. पेयजल का मुख्य स्रोत नलकूप/हैण्डपाईप था।
7. मनरेगा में 86.8 प्रतिशत ग्रामों द्वारा भागीदारी की गयी।

(7)उत्तर प्रदेश में परिवार एवं व्यक्ति
रा.प्र.स. 68वीं आवृत्ति की अनुसूची 0.0 (जुलाई 2011–जून 2012)

रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष निम्नवत् हैं :–

1. राज्य में कुल आवंटित 1128 इकाईयों में से 1126 इकाईयाँ (99.82 प्रतिशत) आबाद व 2 इकाईयाँ (0.27 प्रतिशत) 'शून्य मामला' के अन्तर्गत सर्वेक्षित हुई।

2. यह सर्वेक्षण 740 ग्रामों तथा 388 नगरीय खण्डों में सम्पन्न हुआ, जिसमें कुल 328.28 लाख परिवार अनुमानित हुए, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र में 258.35 लाख (78.70 प्रतिशत) तथा नगरीय क्षेत्र में 69.92 लाख (21.30 प्रतिशत) परिवार अनुमानित हुए।

3. राज्य में कुल 1890.03 लाख व्यक्ति अनुमानित हुए, जिसमें से ग्रामीण क्षेत्र में 1513.64 लाख (80.09 प्रतिशत) तथा 376.39 लाख (19.91 प्रतिशत) नगरीय क्षेत्र में अनुमानित हुए।

4. राज्य में औसत परिवार आकार 5.8 अनुमानित हुए। ग्रामीण व नगरीय क्षेत्र में यह क्रमशः 5.9 व 5. 4 पाया गया।

5. राज्य के 53.7 प्रतिशत ग्रामों में 25 प्रतिशत या उससे अधिक किंतु 50 प्रतिशत से कम परिवारों के पास विद्युत कनेक्शन पाया गया।

6. राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में पीने के पानी का मुख्य (85.7 प्रतिशत) स्रोत नलकूप/हैण्डपम्प पाया गया।

7. ग्रामीण क्षेत्र में जल निकासी के लिए खुली पक्की नाली का प्रयोग सर्वाधिक (43.4 प्रतिशत) पाया गया।

8. नरेगा में 87 प्रतिशत ग्रामों द्वारा भागीदारी की गयी।

(8) Celebration of Statistics Day 2014 (29th June 2014) by Economics and Statistics Division, Uttar Pradesh-A Report

On 29th June 2014, eighth Statistics Day was celebrated by Economics and Statistics Division of Uttar Pradesh at Arth evam Sankhya Bhawan, Lucknow under the encouraging patronage of Shri Girja Shankar Katiyar. 29th June has been designated as Statistics Day in the category of Special Days to be celebrated at the National level by a notification to this effect published in the Gazette of India dated 5th June 2007. The day coincides with the birth anniversary of Late Prof Prasanta Chandra Mahalanobis in recognition of his notable and pioneering contribution in the fields of economic planning and statistical developments.

Since 2009, a theme of importance is decided and intimated by Government of India for deliberations on this day as well as for focused efforts throughout the year on the various aspects of the theme, like present status, availability of data, identification of data gaps and outlining of futuristic plans to fulfill the data gaps and needs. The theme for this year's Statistics Day was "**Service Sector Statistics**".

The formal celebration was inaugurated by Sri Shri Girja Shankar Katiyar Director Economics & Statistics Division On this occassion, a brief paper on Life and achievements of Late Prof. P.C. Mahalonobis was presented by U.R.Bhave, Joint Director, Dr Srinath Yadav,Dyputy Directorof DES,UP made a presentation on Service Sector Statistics.

In the end of the programme, Shri Girja Shankar, Director ,DES recalling the contribution made by Prof. P.C. Mahalanobis to the field of Statistics, asked the people to follow the ideas and principles laid down by Prof.P.C. Mahalanobis.

Statistics Day was also celebrated with similar enthusiasm and fervour in the Divisional and District Offices of DES, UP.At Varanasi Division, the day was celebrated with presentations on Late Prof. Mahalanobis and Service Sector Statistics. A programme was also celebrated by Lucknow, Gorakhpur and Allahabad Division on this occassion .

(9) Service Sector in Uttar Pradesh

1. Introduction: Service sector plays vital role in Indian economy. It accounts more than half of India's GDP and takes it closer to the fundamentals of a developed economy. As per Economic Survey of India 2013-2014, India has the second fastest growing services sector with its compound annual growth rate at nine per cent, just below China's 10.9 percent, during the last 11-year period from 2001 to 2012.

Services or the "tertiary sector" of the economy covers a wide array of activities like trading, banking & finance, entertainment, real estate, transportation, security, management & technical consultancy among several others. The various sectors like trade ,hotels and restaurants, railways, other transport & storage, communication(post, telecom), banking, insurance, dwelling, real-estate, business services, public administration; defense, personal services, community services, other servicesthat combine together to constitute service industry in India.There was marked accelerated growth in services sector in India .

2-Classification of Services: Globally World Trade Organization (WTO) classified Services in 12 categories as1-Business Services, 2-Communication Services 3-Construction and Related Engineering Services, 4-Distribution Services, 5-Educational Services, 6-Environmental Services, 7-Financial Services, 8-Health-Related And Social Services, 9-Tourism And Travel Related Services, 10-Recreational, Cultural And Sporting Services, 11-Transport Services And 12-Other Services Not Included elsewhere.

In Indian context, Services Sector comprise of 1- Trade,2-Hotels, and Restaurants 3-Transport 4-Storage, 5-Communication, 6-Financing, 7-Insurance, 8-RealEstate, 9-Business services,10- community, social, and personal services.

3-Contribution of Services in Economy: India's services sector has emerged as a prominent sector in terms of its contribution to national and states incomes. Overall about 34.2 % unincorporated enterprises in India belongs to service sector. About 13.3% of India's service sector enterprises come from Uttar Pradesh. Importance it in the economy can be visualized from the fact that Services GDP had more than 55 % share in overall economy and this is the fastest growing sector in India. It is the second only to agriculture in employment generation. Service sector has been recognized universally as main driver of economy. This sector has having also quit important share in employment, FDI, Exports etc.

4- **Major Data Gaps and Need of Unorganized Service Sector :**Because of its fast growth and spread in all part of geographical domain major data gaps exist in all segment of this sector. Few Examples of Data Gapsare as: Data on Private Non-financial Services are not regularly available, Non-private non –banking financial sectors, Self-Help Groups, Cooperative credit societies, Microfinance institutions ,Financial institutions that offer small-scale financial services in both forms – credit and savings, especially to the poor in rural, semi-urban and urban areas.Data collection on these and many other unorganized service sector enterprises had been subject of NSS SE Surveys.

5- Coverage of Service Sector in NSSRounds:NSS conducted surveys on service sector in various rounds such as NSS 57th round (2001-2002),NSS63th round (2006-2007) and NSS67th round (2010-2011). The coverage of services in NSS rounds were not same .It changed from round to round in some extent. The 67th round covered all unincorporated nonagricultural enterprises to get estimate of various economicand operational characteristicsof unincorporatednonagriculturalenterprises in manufacturing, Trade and other service sector (excluding construction)

6-Some Resultson ServiceSector Basedon 67th round (July2010-June2011)State Sample data

67 th round state sampledata of Uttar Pradesh is still underfinalization stage.The data used in this paper may have chance to change little. Here all inferences drawn in this paper said to be provisional.

6.1 EnterprisesinService Sector: The survey result shows that Own account enterprises (OAEs) hadabout 82 percent ofin "service"enterprises in state. The same pattern can be seen in both rural as well as urban area. Overall 77.6 percent OAE enterprises are found in rural area as against only22.4 percent OAE's in urban area.

About 34.85 percent enterprises were engaged in 'Land Transport'followed by 21.45 percent engaged in 'Food service activities'and 14.06 percent in 'Human health and social work'.Out of OAEs services enterprises,40.89 percent were engaged in 'Land Transport'followed by 22.11percent engaged in 'Food service activities' and 13.87percent in 'Human health and social work' and from establishments, 35.24 percent were engaged in 'Education'followed by 18.47 percent engaged in 'Food service activities ' and14.93 percent in 'Human health and social work'.Same pattern observed in rural and urban sectors also.

6.2Workers in Service Sector: About 21.0 lakh workers were found working in "other service" enterprises. From which about 11.0 lakh (52.4%) workers engaged in urban sector as against 9.99 lakh (47.6%) in rural sector.

6.3 Nature of operation: About 98 percent of the total enterprises were perennial while the seasonal and casual enterprises together constituted a little more than 2 percent of total enterprises. The distribution does not differ between rural and urban sector, or between OAE and establishments.

6.4 Location of enterprise: About 64 percent enterprises operated their business at fixed location either within the household premises or outside and about 36 percent enterprise run the business without any fixed premises.About 94 percent of establishments had fixed location as compared to 57 percent in case of OAEs. The similar pattern also revealed in both rural and urban sectors.

6.5 Type of ownership: Data shows highest share (97%) of proprietary enterprises of "service" enterprises. Only 3 percent of the owner proprietors of enterprises were females and the rest males. Only 1 percent enterprises were operated on a partnership basis. Share of 'Self-help group' (0.6%), 'trusts' (0.4%), 'others'(0.8%) in the total number of "service" enterprises were negligible.

6.6 GROSS VALUE ADDED per enterprise(GVAPE): Annual GVA per enterprise for "service" enterprise were estimated as Rs.19819.The corresponding estimates for OAEs and establishment were Rs.7620 and Rs.42979 respectively. For rural and urban sector, annual GVAPE were estimated as Rs.13096 and Rs.24410 respectively. For rural sector, annual GVAPE for OAEs and establishments were estimated as Rs. 6048 and Rs. 32602 respectively. While the corresponding estimates for urban sector were Rs. 8933 and Rs. 47689 respectively.

6.7 GROSS VALUE ADDED (GVA) per workers: For rural sector, annual GVA per workers for OAEs and establishments were estimated as Rs. 4174 and Rs. 5334 respectively. While the corresponding estimates for urban sector were Rs. 6189 and Rs. 8712 respectively.

6.8Total fixed Assets: At state level, the estimated value of owned fixed assets per enterprise was estimated as Rs.5,74,004.while the estimated value for urban sector were about 2 times the corresponding value for rural sector. However the estimated value of fixed owned assets for establishments was about 8 times the same for OAEs.It has been observed that the net addition to fixed assets per enterprise was Rs. 23972 during the survey period.

6.9 Outstanding Loans: .The estimated value of outstanding loans and interests for establishments was Rs.71410 which was about 35 times higher than the corresponding estimate of outstanding loans and interests perOAEs(Rs. 2045). This pattern was also observed in both rural and urban sectors.

6.10 Total Receipts: The estimated value for total receipts for combined sector was Rs.33067.The estimated value of total receipts for establishments was Rs.69082 which was about 5 times higher than the corresponding estimate of total receipts per OAEs (Rs. 14096). Same trend was also observed in both rural and urban sectors.

6.11Total Operating Expenses: The estimated value for total operating expenses for combined sector was Rs. 12473.The estimated value of total operating expenses for establishments was Rs. 24582 which was about 4 times higher than the corresponding estimate of total receipts per OAEs (Rs. 6095). This trend was also observed in both rural and urban sectors.

Current Statistics

COMPARATIVE STATISTICS OF UP AND INDIA AT A GLANCE(APRIL-JUNE,2014)

Sl.NO.	INDICATORS	2012-13(Q)		2013-14 (RA)	
		UP	INDIA	UP	INDIA
1.	**Growth Rate (GSDP/ GDP)**				
(a)	Primary Sector	**4.5**	**1.0**	**2.4**	**4.0**
(b)	Secondary Sector	**2.3**	**1.2**	**0.5**	**0.5**
(c)	Tertiary Sector	**8.1**	**7.0**	**8.1**	**6.8**
(d)	**GSDP/GDP**	**5.9**	**4.5**	**5.1**	**4.7**
2.	**Sectoral Composition of GSDP/ GDP**				
(a)	Primary Sector	**30.0**	**19.9**	**30.1**	**20.3**
(b)	Secondary Sector	**19.9**	**23.8**	**18.4**	**22.6**
(c)	Tertiary Sector	**50.1**	**56.3**	**51.5**	**57.0**
3.	**GSDP / GDP (at current prices) (in cr Rs.)**	**782285**	**9388876**	**890265**	**10472807**
4.	**Per Capita Income (in Rs.)**	**33616**	**67839**	**37630**	**74380**

CURRENT STATISTICS OF UP AT A GLANCE

1	**Index of Industrial Production: Annual (base year 1999-2000)**	**2011-12**	**242.64**	**2012-13**	**251.25**
2	**Index of Industrial Production: Monthly (base year 2004-2005)**	**Feb.13**	**192.80**	**Feb.14(P)**	**200.45**
3	**Index of Industrial Production: Monthly (base year 2004-2005)**	**Mar.13**	**200.72**	**Mar.14(P)**	**205.10**
4	**Index of Industrial Production: Monthly (base year 2004-2005)**	**Apr.13(P)**	**187.99**	**Apr.14(Q)**	**194.44**
5	**Agriculture Volume Index (base year 2004-05)**	**2011-12(P)**	**122.36**	**2012-13(Q)**	**125.17**
6	**Agriculture Value Index (base year 2004-05)**	**2011-12(P)**	**207.74**	**2012-13(Q)**	**239.32**
7	**Wholesale Price Index (base year 2004-05)**	**Jan-Mar. 2013**	**175.51**	**Jan-Mar. 2014**	**186.40**
8	**Consumer Price Index-Urban (base year 2004-05)**	**Jan-Mar. 2013**	**190.64**	**Jan-Mar. 2014**	**206.31**
9	**Consumer Price Index-Rural (base year 2004-05)**	**Jan-Mar. 2013**	**202.30**	**Jan-Mar. 2014**	**219.81**
10	**Urban Wage Index for Mason (base year 2004-05)**	**Jan-Mar. 2013**	**242.62**	**Jan-Mar. 2014**	**272.08**
11	**Urban Wage Index for Carpenter (base year 2004-05)**	**Jan Jan-Mar. 2013**	**238.10**	**Jan-Mar. 2014**	**265.92**
12	**Urban Wage Index for Unskilled Labour (base year 2004-05)**	**Jan Jan-Mar. 2013**	**278.85**	**Jan-Mar. 2014**	**316.50**
13	**Rural Wage Index for Mason (base year 2004-05)**	**Jan-Mar. 2013**	**247.42**	**Jan-Mar. 2014**	**270.75**
14	**Rural Wage Index for Carpenter (base year 2004-05)**	**Jan-Mar. 2013**	**238.38**	**Jan-Mar. 2014**	**265.42**
15	**Rural Wage Index for Unskilled Labour (base year 2004-05)**	**Jan-Mar. 2013**	**258.23**	**Jan-Mar. 2014**	**286.59**

Q-Quick Estimates, RA- Revised Advance, P-Provisional Estimates

LATEST PUBLICATIONS

(1) Statistical Diary (Hindi) -2013
(2) उ0प्र0 एक झलक (आकड़ों में) - 2013
(3)) State Income Estimates UP 2004-05 to 2013-14
(4) Economic and Purpose Classification of U.P. Budget 2013-14
(5) Economic Review of U.P. 2012-13
(6) Rajya Niyojan Sansthan, U.P. ka Karya Vivran 2013-14
(7) Statistical Diary (English) -2012
(8) U.P. At a Glance -2012
(9) Statistical Abstract(Bilingual) -2012
(10) Inter State Comparative Statistics -2011
(11)District wise development indicator 2011-12
(12) Newsletter 'ESR UP' ofJuly-September 2013 and October-December 2013
(13) Income expenditure, Capital expenditure, Sanitation services and employment of Local-Bodies 2011-12
(14) Report of Annual Survey of industries 2008-09,2009-10
(15) Divisional Statistical Hand Book-2012
(16) Divisional Socio Economic Review-2012
(17) Divisional Planning Atlas-2012
(18) District Statistical Hand Book-2012
(19) District Socio Economic Review-2012
(20) District Planning Atlas-2012
(21) Block Level Statistical Hand Book-2012
(22) Block Level Socio Economic Review-2012

STATISTICS UPLOADED ON THE DEPARTMENTAL WEBSITE DURING THE QUARTER

http://updes.up.nic.in/

1.सकल एवं निवल आय अनुमान प्रचचित एवं स्थायी(2004-05)अक्टूबर-दिसम्बर 2013
2.औद्योगिक उत्पादन सूचकांक अप्रैल-दिसम्बर 2013(P)जनवरी 2014(Q)
3.वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण 2010-11 सम्बन्धी रिर्पोट
4. प्रशिक्षित अधिकारी/कर्मचारी का विवरण सत्र 2013-14
5. प्रभाग मुख्यालय,मण्डल व जनपदीय कार्यालयों मे कार्यरत अधिकारियों की सूची अप्रैल,2014
6. जिला घरेलू निवल उत्पाद 2011-12
7. रा0प्र0स0 70वीं आवृत्ति से संबंधी विजिट-2 से संबंधित वैलीडेशन साफ्टवेयर
8. उ0प्र0 का ग्रामीण एवं नगरीय मजदूरी दर सूचकांक, त्रैमासांत अक्टूबर-दिसम्बर 2013
9. उ0प्र0 का नगरीय एवं ग्रामीण उपभोक्ता भाव सूचकांक, त्रैमासांत अक्टूबर-दिसम्बर 2013
10. उत्तर प्रदेश का थोक भाव सूचकांक, त्रैमासांतअक्टूबर-दिसम्बर 2013
11. उत्तर प्रदेश का कृषि क्रय-विक्रय समता सूचकांक 2012-13
12.47 आवश्यक वस्तुओं के साप्ताहिक फुटकर भाव
13.भवन निर्माण संबंधी आवश्यक वस्तुओं के फुटकर भाव,मजदूरी की दरें तथा लागत सूचकांक वर्ष 2012-13
14. अर्थ एवं संख्याधिकारी पद पर पदोन्नति की सूची (जून,2014)
15. त्रैमासिक न्यूज लेटर (ESRUP)जुलाई-सितम्बर 2013,अक्टूबर-दिसम्बर 2013
16. Monitoring Poverty in UP(PSMS 2009-10)

DIRECTORATE OF ECONOMICS AND STATISTICS,
ARTH EVAM SANKHYA BHAWAN,
9, SAROJINI NAIDU MARG,
(Post Box no.:-113)
LUCKNOW-226001
http://updes.up.nic.in
Phone: 0522- 2238969 Fax: 0522-2238965
Email-id:-upesd@up.nic.in ;coordesd@up.nic.in